हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 23 जून 2026

11 श्रमिकों का पंजीकरण पोर्टल तुरंत खोले...

11 सीएम के स्वच्छ हरियाणा, स्वस्थ...

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। लोगों की शिकायत सुनते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

समस्याओं का समय पर करें निपटारा : एसडीएम

महेंद्रगढ़। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए सोमवार को डीसी अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसडीएम योगेश सैनी ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को एक तय समय सीमा के भीतर उनका निपटारा करने के सख्त निर्देश दिए। एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान शिविर में बिजली, पानी, अवैध कब्जे हटाने सहित अनेक शिकायतें

महेंद्रगढ़। यह कूड़े का ढेर उठाया गया।

प्रशासन ने वार्ड-14 से हटवाया गंदगी का ढेर

महेंद्रगढ़। नगर की सफाई व्यवस्था को लेकर महेंद्रगढ़ के उप मंडल अधिकारी (एसडीएम) योगेश सैनी एवं नगर पालिका की उप प्रधान मंजू कौशिक के सहयोग से वार्ड नंबर 14, सिनेमा रोड स्थित गली में लंबे समय से पड़े गंदगी के ढेर को तत्काल प्रभाव से हटवा दिया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त स्थान पर काफी समय से कूड़ा जमा होने के कारण क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। हाल ही में हुई बारिश के बाद वहां से उठने वाली दुर्गंध से पूरे मोहल्ले का वातावरण प्रभावित हो रहा था। स्थानीय नागरिकों द्वारा समस्या से अवगत करवाए जाने पर प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करवाई।

अंडरपास : एक साइड का मार्ग बंद, दूसरी पर दोनों तरफ के ट्रैफिक से हादसों का खतरा

- सीआईए रोड और पुरानी मंडी अंडरपास में एक ही पुलिया से गुजर रहे दोनों तरफ के वाहन
- स्थानीय लोगों ने जल्द पूरा काम कराने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। सीआईए रोड पर बने अंडरपास की अधूरी सड़क व पुरानी मंडी की तरफ अंडरपास की अधूरी सड़क। फोटो : हरिभूमि

शहर के दो प्रमुख अंडरपास इन दिनों रेलवे की अधूरी कार्यशैली का उदाहरण बने हुए हैं। सीआईए रोड और पुरानी मंडी स्थित अंडरपासों में सड़क मरम्मत के नाम पर शुरू किया गया निर्माण कार्य लोगों के लिए नई मुसीबत बन गया है। रेलवे ने दोनों अंडरपासों में एक तरफ की सड़क का पुनर्निर्माण कर उसे वाहनों के लिए खोल दिया, जबकि दूसरी तरफ की सड़क को खोदकर अधूरा छोड़ रखा है। करीब एक माह से यही स्थिति बनी हुई है, जिससे हजारों वाहन चालकों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है।

इन अंडरपासों की विशेषता यह है कि यहां आने और जाने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग दो पुलियां बनाई गई हैं। सामान्य परिस्थितियों में एक पुलिया से वाहन शहर की ओर आते हैं और दूसरी से बाहर जाते हैं, लेकिन फिलहाल एक तरफ का मार्ग बंद होने के कारण दोनों दिशाओं का पूरा ट्रैफिक एक ही पुलिया के नीचे से गुजरने को मजबूर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंडरपास के अंदर की सड़कें लंबे समय से टूट-फूट और उबड़-खाबड़ हो चुकी थीं। शिकायतों के बाद रेलवे ने सड़क की खुदाई कर पुनर्निर्माण कार्य शुरू किया था। लोगों को उम्मीद थी कि कुछ दिनों की असुविधा के बाद बेहतर सड़क मिलेगी, लेकिन काम आधा छोड़ दिए जाने से परेशानी और बढ़ गई है। दिनभर अंडरपासों के दोनों ओर वाहनों की कतारें लगती रहती हैं। आमने-सामने वाहन आने पर कई बार चालकों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है। विशेषकर स्कूल बसों, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, मालवाहक वाहनों और चारपहिया वाहनों के एक साथ पहुंचने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है। कई बार वाहन चालक आमने-सामने फंस जाते हैं और जाम जैसी स्थिति बन जाती है। लोगों का कहना है कि यदि दोनों पुलियों का उपयोग अलग-अलग दिशा के वाहनों के लिए हो तो आवागमन सुचारू रहता है, लेकिन एक मार्ग बंद होने से दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। संकरे रास्ते में अचानक सामने से वाहन आने पर टक्कर का खतरा लगातार बना रहता है।

व्यापारियों के विरोध के कारण रुका काम

रेलवे ने कुछ समय पहले नागरिक अस्पताल के समीप स्थित अंडरपास की सड़क का पुनर्निर्माण शुरू करने की तैयारी की थी, लेकिन स्थानीय व्यापारियों के विरोध के बाद काम रोकना पड़ा। व्यापारियों का कहना था कि उनके सामान से भरे बड़े वाहन दिनभर इसी अंडरपास से गुजरते हैं। यदि सड़क निर्माण के लिए मार्ग बंद किया जाता तो माल ढुलाई प्रभावित होती और कारोबार पर सीधा असर पड़ता। व्यापारियों के विरोध के चलते रेलवे को वहां निर्माण कार्य स्थगित करना पड़ा। अब लोगों का कहना है कि जहां काम शुरू किया गया है, वहां भी उसे अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे परेशानी कम होने के बजाय बढ़ गई है।

नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में युवक की मौत, दो घायल

हेमराज की करीब एक साल पहले हुई थी शादी

- पत्नी को ससुराल से लेकर लौटा था गांव, कुछ घंटे बाद दोस्तों के साथ गया बाहर हो गया हादसे का शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। जेसीबी मशीन से बोलेरो गाड़ी को ट्राले से निकालते हुए।

नेशनल हाईवे-148बी पर रविवार देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि बोलेरो गाड़ी ट्राले के अगले हिस्से में घुसकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतक की करीब एक साल पहले ही शादी हुई थी। रविवार को ही वह अपनी पत्नी को ससुराल से लेकर गांव लौटा था और कुछ घंटे बाद दोस्तों के साथ बाहर गया, लेकिन रास्ते में हादसे का शिकार हो गया।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार गांव नायण निवासी हेमराज, लालचंद व धीरसिंह किसी काम से राजस्थान के बहरोड़ गए थे। देर शाम जब तीनों बोलेरो गाड़ी में सवार होकर वापस गांव लौट रहे थे, तब राय मलिकपुर के पास उनकी गाड़ी एक ट्राले से टकरा गई। टक्कर के बाद बोलेरो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी और फिर ट्राले के अगले हिस्से में फंस गई। हादसे में हेमराज पुत्र मातादीन निवासी नायण गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं लालचंद व धीरसिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें कोटपूतली के पल्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के डॉक्टर अनीश नायर के अनुसार दोनों घायलों का उपचार जारी है और फिलहाल दोनों खतरे से बाहर हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बोलेरो धीरसिंह चला रहा था।

हरियाणा एग्रो में सरकारी कर्मचारी था मृतक

गांव के सरपंच मदन ने बताया कि हेमराज हरियाणा एग्रो में सरकारी कर्मचारी था। उसकी करीब एक वर्ष पहले शादी हुई थी। रविवार को ही वह अपनी पत्नी को ससुराल से लेकर गांव आया था। पत्नी को घर छोड़ने के बाद वह अपने दोस्तों के साथ बहरोड़ चला गया। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह सफर उसकी जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा।

क्रेन व अर्थ मूवर से निकाली गई गाड़ी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्रित हो गए। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो वाहन ट्राले में बुरी तरह फंस गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। वाहन को निकालने के लिए क्रेन व अर्थ मूवर मशीन की मदद लेनी पड़ी। काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त बोलेरो को बाहर निकाला गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं गांव नायण में युवक की मौत की खबर से शोक की लहर है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना इंचार्ज पवन कुमार ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। ट्राले को कब्जे में लेकर केस पंजीकृत कर लिया है।

महेन्द्रगढ़-रेवाड़ी मार्ग पर पुल निर्माण के चलते 30 अक्टूबर तक रुटडायवर्ट

- वाहन चालक वैकल्पिक मार्गों का करें प्रयोग : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सरकार के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की ओर से ग्राम उन्हानी के निकट रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी आरडी 3.153 पर एक नए पुल का निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने इस विकासात्मक कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए महेन्द्रगढ़-रेवाड़ी मार्ग (स्टेट हाईवे-24) को आगामी 30 अक्टूबर तक अस्थायी रूप से बंद करने का आदेश पारित किए हैं। आमजन और वाहन चालकों की सुविधा तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन की ओर से व्यापक स्तर पर वैकल्पिक डायवर्जन मार्गों का प्रबंध किया गया है। आदेशों के अनुसार हल्के वाहनों के लिए विभिन्न वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की गई है। इसके तहत वाहन चालक दादरी रोड से मार्केटिंग कमेटी रोड और सिहोर रोड होते हुए कनीना-महेन्द्रगढ़ मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त दादरी रोड से ग्राम उन्हानी के फिरनी मार्ग से होते हुए भी कनीना-महेन्द्रगढ़ मार्ग पर निकला जा सकता है। तीसरा विकल्प दादरी रोड के साथ-साथ रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी से होते हुए कनीना-महेन्द्रगढ़ मार्ग पर जाने का है। वहीं बड़े व भारी वाहनों के सुगम आवागमन के लिए दादरी-नारनौल हाईवे (एनएच-148बी) और 152-डी एक्सप्रेसवे को मुख्य डायवर्जन मार्ग के रूप में निर्धारित किया गया है, ताकि किसी भी तरह की जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

बैरिकेडिंग व सुरक्षा के इंतजाम सुनिश्चित करें

नारनौल। उपायुक्त अनुपमा अंजली।

पुलिस अधीक्षक और उप-मण्डल अधिकारी नारनौल की रिपोर्ट के आधार पर इस डायवर्जन प्लान को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्माण स्थल और डायवर्जन मार्गों पर अनिवार्य रूप से पर्याप्त यातायात संकेत बोर्ड, चेतावनी बोर्ड और मजबूत बैरिकेडिंग व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें। विभाग को यह कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर महेन्द्रगढ़-रेवाड़ी मार्ग को पुनः चालू स्थिति में लाने और निर्माण के दौरान सभी सुरक्षा नियमों व सरकारी हिदायतों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि राहगीरों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

छितरोली में सो रहे परिवार पर हमला, मुकदमा दर्ज

कनीना। गांव छितरोली से हिंसक घटना सामने आई है। रात को घटित इस घटना के चलते घर में सो रहे एक परिवार पर उनके पड़ोसियों ने हथियारों से हमला कर दिया। इस बारे में पीड़िता भतेरी देवी ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपने पति सुरेश व छोटे बेटे सचिन के साथ नीचे सो रही थी, जबकि बड़ा बेटा रविंद्र और उसकी पत्नी दीपिका छत पर सो रहे थे। तभी अचानक उनके पड़ोसी मंजीत, प्रदीप, कमलेश, उर्मिला, कृष्ण, सुखेंद्र, लोकेश वरवरूप उनके घर में जबरन घुस आए तथा आते ही परिवार पर हमला बोल दिया। पीड़िता ने कहा कि मंजीत ने तलवार तथा सुखेंद्र ने उनके पति सुरेश कुमार पर कुल्हाड़ी से वार किया। कृष्ण ने सचिन को डंडों से बुरी तरह पीटा। अचानक किए गए इस हमले में तीनों को गंभीर चोटें आई। जिससे वे घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी सेहलंग में दाखिल कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि भतेरी की शिकायत के आधार पर मारपीट करने वाले आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस प्रशासन ने बढ़ते क्राइम पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जारी किए नए नियम

पांच दिन में लगवानी होगी पुलिस की पहचान प्लेट, नहीं तो होगी कार्रवाई

- डीएसपी व ट्रैफिक थाना प्रभारी ने ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। ऑटो यूनियन की मीटिंग लेतीं डीएसपी डा. कविता। फोटो : हरिभूमि

स्थानीय न्यायालय परिसर में आयोजित बैठक के बाद डीएसपी डा. कविता तथा ट्रैफिक थाना प्रभारी भगत सिंह ने ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बैठक में स्पष्ट किया गया कि सभी ऑटो और ई-रिक्शा पर पुलिस विभाग द्वारा जारी पहचान प्लेट तथा जीपीएस लगाना अनिवार्य होगा। यह दिशा–निर्देश बढ़ते क्राइम पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि जिन वाहनों पर अभी तक निर्धारित प्लेट नहीं लगी है, वे अगले पांच दिनों के भीतर प्लेट लगवा लें। निर्धारित समय सीमा के बाद बिना प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश शहर और ग्रामीण क्षेत्र में संचालित सभी ऑटो व ई-रिक्शा पर समान रूप से लागू होगा। इसके अलावा सभी ऑटो और ई-रिक्शा में जीपीएस सिस्टम लगाना भी अनिवार्य किया गया है। वाहन चालकों को चेकिंग के दौरान अपने सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के निर्देश दिए गए हैं। ऑटो यूनियन के प्रधान अमित चौहान ने बताया कि प्लेट संबंधी जानकारी और अन्य आवश्यक औपचारिकताओं के लिए चालक यूनियन पदाधिकारियों अमित चौहान एवं जीतू भाई से संपर्क कर सकते हैं।

सार्वजनिक शौचालय की बदहाली पर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल

नांगल चौधरी। शौचालयों की सफाई नहीं होने पर रोष व्यक्त करते लोग।

चौधरी बहरोड़ रोड पर वार्ड नंबर तीन और वार्ड नंबर 10 के बीच अनाज मंडी के सामने बने सार्वजनिक शौचालय की बदहाल स्थिति बनी हुई है। समस्या से नपा प्रशासन को अवगत करवा दिया, इसके बावजूद सफाई प्रक्रिया अटकी हुई है। जिससे आक्रोशित लोगों ने नपा विरोधी नारेबाजी की है तथा पांच दिन में शौचालयों को स्वच्छ करने का अल्टीमेटम दिया है। अन्यथा धरने-प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी। पूर्व पार्षद सोनू तंवर, सोमदत्त जांगड़ा, मोनू यादव, सतेंद्र यादव, अनिल कुमार, प्रवीण कुमार, पवन कुमार, बलवंत सैन, सत्येंद्र स्वामी ने बताया कि सार्वजनिक शौचालय में लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण वहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है। शौचालय परिसर से उठने वाली तेज दुर्गंध के कारण आसपास के दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय निवासियों को सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। अनाज मंडी और बहरोड़ रोड क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। ऐसे में सार्वजनिक शौचालय की दुर्दशा से लोगों को सुविधा मिलने के बजाय परेशानी झेलनी पड़ रही है। गंदगी और दुर्गंधमयी वातावरण के कारण क्षेत्र में संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक शौचालय की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, सैनिटाइजेशन कराया जाए तथा सफाई व्यवस्था की लगातार निगरानी के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

यह बोले नपा सचिव

इस संदर्भ में नपा के सचिव ललित गोयल ने बताया कि शौचालयों की सफाई के लिए तीन टीमें गठित हैं। वार्ड-तीन और 10 के शौचायल बदहाल होने की शिकायत नहीं मिली। मंगलवार को समस्या का निवारण करवा दिया जाएगा।

सख्ती जिला शिक्षा अधिकारी करेंगे जिले के सभी विद्यालयों का सघन निरीक्षण

जिला शिक्षा अधिकारी के सख्त आदेश, विद्यालयों में सुविधाएं दुरुस्त न होने पर जिम्मेदार होंगे स्कूल प्रबंधक

- निकट भविष्य में निदेशालय के नियम अधिकारियों, जिला प्रशासन के आला अफसरों व स्वयं डीईओ करेंगे निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शिक्षा विभाग के अधिकारियों और स्कूल प्रभारियों को लेकर एक बेहद सख्त रुख अपनाया है। विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक पत्र के अनुसार निकट भविष्य में निदेशालय के नियम अधिकारियों, जिला प्रशासन के आला अफसरों और स्वयं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जिले के सभी विद्यालयों का सघन निरीक्षण किया जाएगा। इस संबंध में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को सोमवार को जारी आदेश में अपने स्तर पर स्कूलों की स्थिति की तत्काल जांच करने और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के आदेश दे दिए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने पत्र में साफ तौर पर चेतावनी दी है कि बार-बार सूचित किए जाने के बाद भी यदि किसी विद्यालय के स्तर पर कोई लापरवाही या कमी पाई जाती है, तो उसके लिए सीधे तौर पर संबंधित स्कूल मुखिया (प्रिंसिपल या हेडमास्टर) को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। आदेश के तहत सभी स्कूलों को 20 जून तक शौचालयों और मूत्रालयों की समुचित मरम्मत, साफ-सफाई और पानी की मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था ताकि किसी भी तरह की छोटी-मोटी मरम्मत का काम समय पर पूरा हो सके। इसके साथ ही मानसून और आगामी मौसम को देखते हुए निर्देश दिए गए हैं कि यदि किसी भी स्कूल परिसर में जलभराव की स्थिति बनती है, तो वहां तुरंत मिट्टी डलवाने का काम पूरा किया जाए।

पेंडिंग वर्क की भी करनी होगी स्थिति स्पष्ट

स्कूलों में रुके हुए विकास कार्यों (पेंडिंग वर्क्स) को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की गई है। यदि सीसीडब्ल्यूएफ में बजट उपलब्ध नहीं है तो उसके लिए पूर्व में दिए गए निर्देशों के तहत सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को तुरंत एस्टीमेट तैयार करवाकर जमा करवाने को कहा गया है ताकि बुनियादी सुविधाओं की बहाली में कोई बाधा न आए। जिला शिक्षा अधिकारी के इस कड़े रुख के बाद अब जिले के सभी सरकारी स्कूलों में व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने की कवायद तेज हो गई है।

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 578वीं रैंक प्राप्त कर किया गांव परिवार का नाम रोशन

नावदी की बेटी ज्योति यादव ने बिहार में रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव नावदी की बेटी ज्योति यादव ने बिहार लोक सेवा आयोग बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर हरियाणा का नाम रोशन किया है। हाल ही में घोषित परिणाम में ज्योति ने जनरल कैटेगरी में 578वीं रैंक प्राप्त की है। ज्योति ने जनवरी माह में बीपीएससी परीक्षा दी थी जबकि अप्रैल में उनका साक्षात्कार पूरा हुआ। शनिवार को घोषित अंतिम परिणाम में 2035 चयनित अभ्यर्थियों की सूची में उनका नाम शामिल हुआ। इस उपलब्धि के आधार पर वह प्रांतीय सिविल सेवा में ब्लॉक पंचायत राज अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं देंगी। अपनी सफलता का श्रेय ज्योति ने अपने माता-पिता, भाई और भाभी को दिया जिन्होंने हर समय उनका हौसला बढ़ाया। उनके पिता डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि ज्योति बचपन से ही मेधावी रही है और परिवार का उसे हमेशा पूरा सहयोग मिला। अटेली से विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, पूर्व विधायक सीताराम यादव, जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कुलदीप यादव बौचड़िया, अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जैलदार, ग्रीवेंस कमेटी सदस्य विजय सिंह दौंगड़ा, मंडल महामंत्री इंद्रजीत यादव, तेजप्रकाश, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण शर्मा बौचड़िया, अशोक नावदी, सतीश डीएसपी सहित कई गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मंडी अटेली। ज्योति यादव।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
23 जून 2026

सहेली

प्रेम को कभी परिभाषित नहीं किया जा सकता। प्रेम का तो बस अहसास किया जा सकता है। पति-पत्नी के लिए प्रेम के बहुत अलग और गहरे मायने होते हैं, सिर्फ अपने साथी के लिए जीना, जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे का सहारा बनना। पति-पत्नी का प्रेम कभी एकतरफा बोझ नहीं डालता है। प्रेम में 'मैं' नहीं केवल 'हम' होता है। इस तरह के प्रेम में दंपती एकसार होकर अपना जीवन मधुरता और खुशियों से भर लेते हैं।

कवर स्टोरी

डॉ. ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

प्रेम न बाड़ी उपजै प्रेम न हाट बिकाय

अगर आपसे यह प्रश्न पूछा जाए कि इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली क्या है, तो यह प्रश्न शायद आपको थोड़ा उलझा दे! लेकिन देखा जाए तो इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली है- प्रेम। आप सोच सकते हैं- प्रेम, जो केवल ढाई अक्षर का है, वह भला कैसे उलझा सकता है? जरा एक पल को रुकिए और सोचिए क्या वाकई प्रेम को समझना इतना आसान है? अगर इस पहेली को सुलझाना इतना सहज-सरल होता, तो निश्चित ही हर प्रेम विवाह सफल होता। अपने आस-पास ही देख लीजिए, हजारों युवा बड़े-बड़े वादों के साथ, कभी माता-पिता की सहमति से तो कभी उनके विरुद्ध जाकर विवाह करते हैं, पर फिर वही प्रेम धीरे-धीरे बिखरने लगता है, और इसके साथ ही बिखरने लगते हैं वादे-कसमें। आखिर प्रेम क्यों बिखरने लगता है? यह प्रश्न हमें उसी पहेली तक वापस ले जाता है, जिसकी बात हमने शुरुआत में की थी।

प्रेम क्या है

सवाल यह है, जिसे हम प्रेम समझते हैं, क्या वह सच में प्रेम है? कई बार वह केवल आकर्षण होता है, जिसे हम प्रेम का नाम दे देते हैं। यहीं से उलझन शुरू होती है। किसी भी रिश्ते में बंधना जितना सहज है, उतना ही मुश्किल है उसे निभाना, विशेषकर जब रिश्ता पति और पत्नी का हो। यह रिश्ता दुनिया में सबसे अलग और सबसे अनूठा होता है, क्योंकि इसे आपने स्वयं चुना होता है। अगर आपका जीवन साथी आपके माता-पिता का चुनाव भी हो तो भी पति-पत्नी के संबंध का सर्वोच्च आधार सिर्फ और सिर्फ प्रेम होता है। वह 'प्रेम' जो ना तो शर्तों पर टिका होता है और ना ही अपेक्षाओं का एकतरफा बोझ डालता है। वह तो निरंतर निर्झर बहने वाली नदी के समान है, जो कभी थमती नहीं। प्रेम देह से ऊपर है, बुद्धि से ऊपर है, दिखावे और प्रसिद्धि से भी बहुत ऊपर है। उसका संबंध केवल हृदय से होता है। हमारे उस छोटे से दिल में, जो भले ही मुट्ठी भर का है, पर अपने भीतर पूरी दुनिया को समेट लेने की क्षमता रखता है। विश्वास कीजिए, प्रेम को किसी परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता, इसका कोई तय नियम नहीं होता। प्रेम समर्पण है, अपनापन है और सबसे बढ़कर प्रेम 'मैं' नहीं, 'हम' होता है।

समझिए प्रेम के सही मायने

आप क्या वाकई जानना चाहती हैं कि 'प्रेम' क्या है? तो एक छोटी-सी घटना सुनिए। कुछ दिन पहले अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का एक साक्षात्कार देखा, जिसमें वह अपने पिता बोनी कपूर के साथ बैठी थीं। बोनी ने जाह्नवी को बताया कि उनकी मां (अभिनेत्री श्रीदेवी) चाहती थीं कि वह अपना वजन कम करें, इसलिए वह उन्हें टहलने के लिए प्रेरित करती थीं। श्रीदेवी की जिद पर एक दिन वह उनके साथ टहलने जाने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने जूते तो पहन लिए, पर झुककर फीते बांधना उनके लिए सहज नहीं था। बिना कुछ कहे ही श्रीदेवी ने उनकी इस परेशानी को समझ लिया और उनके जूतों के फीते बांध दिए। बोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अरे, यह तो ढीला है।' जब श्रीदेवी ने दोबारा बांधा, तो उन्होंने फिर कहा, 'यह तो बहुत टाइट हो गया।' यह सिलसिला यूं ही कुछ देर चलता रहा, लेकिन इस पूरे समय श्रीदेवी बिना किसी अधीरता के, मुस्कुराते हुए, हर बार उनके जूतों के फीते ठीक करती रहीं।

इस घटना को पढ़कर आप चौंक गए न! स्वाभाविक भी है, क्योंकि आज की युवा पीढ़ी के लिए, विशेष कर लड़कियों के लिए तो ऐसा कुछ करना उनके आत्मसम्मान के खिलाफ होगा या इससे भी बढ़कर वह इसे पति की गुलामी का नाम देंगी। एक उदाहरण और, बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाली अनुराधा को एक दिन किसी कारणवश बैंक जाने में देरी हो रही थी, वह हड़बड़ा गई। तभी उसे यह भी ध्यान आया कि उसके कपड़े प्रेस नहीं हैं। अनुराधा की यह परेशानी उसके चेहरे पर aझलकने लगी। उसके पति, जो एक बड़े सरकारी अधिकारी हैं, बिना उसके कुछ कहे ही उसकी हड़बड़ाहट देखकर सब समझ गए और उसके कपड़ों पर प्रेस कर दिए, बिना कुछ कहे-सुने। अपने साथी की उलझन को समझना और उसे मुस्कुराते हुए सुलझा देना ही प्रेम है। अनुराधा को याद नहीं कि कितनी बार जल्दी में वह खाना छोड़कर निकलना चाहती है, तो पति स्वयं तैयार होते-होते भी उसके मुंह में रोटी का कौर रख देते हैं और कहते हैं, 'घर से भूखे नहीं निकलना चाहिए।' यकीनन बहुत सारे लोगों के लिए यह दृश्य बिल्कुल भी सहज नहीं है, क्योंकि आदमी की जो छवि समाज ने गढ़ी है, यह उसके बिल्कुल विपरीत है। पर सच्चा प्रेम यही तो है, बिना किसी की परवाह किए सिर्फ अपने साथी के लिए जीना। जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे को सहारा देना और बिना कुछ कहे एक-दूसरे की पीड़ा को समझना।

प्रेम कब तोड़ता है दम

प्रेम तब दम तोड़ने लगता है, जब हम एक-दूसरे के साथ मुस्कुराना छोड़ देते हैं, एक-दूसरे की परवाह करना छोड़ देते हैं और एक-दूसरे के दर्द को समझने की कोशिश नहीं करते। इसी के साथ जब हमारे भीतर सिर्फ 'मैं' ही प्रमुख हो जाता है, तब रिश्ते के जीवित रहने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। हमें यह समझना होगा कि किताबों में लिखी हुई 'नारी स्वतंत्रता', 'नारी मुक्ति' की परिभाषाएं और समाज द्वारा सिखाई गई 'मर्दानगी' की कहानियां प्रेम की गहराई के सामने टिक नहीं पातीं, क्योंकि प्रेम इन सब से बहुत ऊपर होता है।

प्रेम में 'मैं' नहीं 'हम'

'प्रेम' जीवन है, इसे किसी भी वस्तु से खरीदा नहीं जा सकता, ना ही इसे विवश करके पाया जा सकता है। इसे पाने का केवल एक ही रास्ता है, और वह है 'मैं' का त्याग। तो चलिए प्रेम को जीते हैं और 'मैं' को किसी ऐसी गली छोड़ आते हैं, जो कभी 'हम' तक वापस ना आ सके।

क्या आप भी अपने बच्चे का हद से ज्यादा ख्याल रखते हैं

कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत ज्यादा प्रोटेक्ट करते हैं, इस तरह ओवरप्रोटेक्शन से बच्चों का कॉन्फिडेंस कमजोर होता है। वे अपनी छोटी से छोटी प्रॉब्लम से भी घबरा जाते हैं। आपके बच्चे स्ट्रॉन्ग बनकर जीवन में सफल रहें, इसके लिए जरूरी है उन्हें बहुत ज्यादा लाड़-प्यार ना दें, उन्हें सेल्फ डिपेंड बनाएं। यह उनके व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत जरूरी है।

परवरिश

ललिता गोयल

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं कि उनके बच्चे को कभी भी किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़े। इस चाहत में कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हद से ज्यादा लाड़-प्यार या ओवरप्रोटेक्ट करते हैं। लेकिन इस तरह ओवरप्रोटेक्शन यानी ओवर पैंपरिंग बच्चों को इंडिपेंडेंट बनने से रोक सकती है। आगे चलकर बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हो जाते हैं।

संतुलित रखें अपना लाड़-प्यार: बचपन सिर्फ बच्चों के खेलने, आराम करने और पैरेंट्स की छत्रछाया में सुरक्षित रहने का समय नहीं होता है। यह वह समय भी होता है, जब वे सीखने और मजबूत बनने के प्रोसेस में होते हैं। इस प्रोसेस में अगर हर बार पैरेंट्स बच्चे के लिए सब कुछ कर देंगे, तो बच्चा जीवन के उतार-चढ़ाव को संभालने की क्षमता विकसित नहीं कर पाएगा। बड़ा होकर वह छोटे-छोटे फेलियर से डरने लगेगा या बहुत जल्दी हार मान लेगा, क्योंकि उसने कभी निराशा, इंतजार या संघर्ष को अनुभव ही नहीं किया होता है। कोई भी चीज हद से ज्यादा हो तो फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाती है। इसलिए बच्चों का लाड़-प्यार भी हमेशा संतुलन में होना चाहिए।

बच्चों का विकास रुकता है: बच्चे का ज्यादा ख्याल रखना या ओवर-प्रोटेक्शन, बच्चों के विकास को रोक सकता है। ऐसे बच्चे आत्मनिर्भर नहीं बन पाते, समस्याओं का सामना करने से डरते हैं, चुनौतियों का सामना करने में खुद को असमर्थ महसूस करते हैं। हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान माता-पिता द्वारा किए जाने पर बच्चों को अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। वे भविष्य में मुश्किल परिस्थितियों में घबरा जाते हैं। ऐसे बच्चे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और अपनी उम्र के अनुसार जिम्मेदारियां नहीं सीख पाते।

प्यार जताएं-बिगाड़ें नहीं: बच्चे को आरामदायक माहौल दें लेकिन उनकी हरेक डिमांड पूरी न करें। उसे 'ना' सुनना भी सिखाएं, क्योंकि हर मांग पूरी करने से बच्चे जिद्दी हो सकते हैं। अपनी मांग पूरी करवाने के लिए वे कोई गलत कदम भी उठा सकते हैं।

जिम्मेदारियां सौंपें-आत्मनिर्भर बनाएं: बचपन से बच्चे को आत्मनिर्भर बनाएं। जब बच्चा खेलने के बाद अपने खिलौने समेटने की कोशिश करे, तो उसे समेटने दें। खुद न समेटें, जब पैरेंट्स बच्चे के सारे काम खुद करते हैं या उसे हर परेशानी से बचाते हैं, तो वह कभी-भी अपनी समस्याएं खुद सुलझाना नहीं सीख पाता। जो बच्चे हमेशा सुरक्षित माहौल में रहते हैं, वे जीवन में छोटी-मोटी हार या असफलता का सामना नहीं कर पाते। इसलिए उनकी उम्र के अनुसार उन्हें घर के छोटे-छोटे काम जैसे पौधों में पानी डालना, फ्रिज में पानी की बोतल भर का रखना खुद करने दें। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे।

गलतियों से सीखने दें: बच्चों से कोई गलती होने पर उसे बचाने के बजाय उन्हें अपनी बात रखने दें, अपनी गलतियों के लिए जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को सही गाइडेंस, इमोशनल सपोर्ट और सीमित आजादी के साथ अपने अनुभवों से सीखने का मौका दें। बच्चों को गलतियां करने दें और उनसे सीखने का मौका दें। प्यार का मतलब केवल सुरक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को उनके आने वाले जीवन के लिए तैयार करना भी होता है।

बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाएं: बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना उन्हें प्यार और सुरक्षा देना, इसलिए पैरेंट्स को बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि असफलता भी जीवन का हिस्सा है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

(साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्रुति शर्मा से बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग

अनु आर.

अगर आपके पास गार्डेनिंग के लिए ज्यादा स्पेस नहीं है तो भी अपनी बालकनी में आप मिनी बालकनी गार्डेन बना सकती हैं। इसके लिए क्या करना होगा, जानिए।

हरियाली से भर उठेगा आपका मिनी बालकनी गार्डेन

हालांकि अभी उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में मानसून की बारिश शुरू नहीं हुई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही बारिश शुरू हो जाएगी। पहली बारिश की बूंदें केवल धरती को ही नहीं मन को भी तरोताजा कर देती हैं। यही वह समय होता है, जब पौधे तेजी से बढ़ते हैं। इसीलिए बागवानी का शौक रखने वालों को यह मौसम सबसे अच्छा लगता है। लेकिन शहरों में फ्लैट्स या छोटे मकानों में रहने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या होती है, किचेन गार्डेन के लिए पर्याप्त जगह का न होना। सवाल है, क्या फिर जिनके पास अपने आंगन में या घर के बाहर किचेन गार्डेन की जगह नहीं है, वे गार्डेनिंग के अपने शौक को मन में ही दबाकर रखें? ऐसा नहीं है। लगभग सभी फ्लैट्स में बालकनी तो होती ही है। आने वाले बारिश के दिनों में यही बालकनी, प्रकृति से जुड़ने का एक आसान जरिया बन सकती है।

मिनी बालकनी गार्डन का ट्रेंड: इन दिनों बड़े शहरों में, खासतौर पर मल्टीस्टोरे अपार्टमेंट्स में मिनी बालकनी मानसून गार्डन का नया चलन तेजी से शुरू हुआ है। इसमें छोटी-सी बालकनी को भी कुछ गमलों, लटकने वाले पौधों और मौसमी सब्जियों के पौधों के जरिए एक प्यारी-सी हरी-भरी दुनिया में तब्दील किया जा सकता है। यह केवल घर की सुंदरता को नहीं बढ़ाता बल्कि आपकी मानसिक शांति, ताजी हवा और ताजा भोजन का स्रोत भी बनता है। आने वाले बारिश के दिन आपके मिनी बालकनी गार्डन को तैयार करने में बहुत सहायक हो सकते हैं।

लगाएं ये पौधे: अगर आप पहली बार अपनी छोटी-सी बालकनी को मानसून गार्डेन में तब्दील कर रही हैं, तो ऐसे पौधों को चुनें, जिनकी देखभाल करनी बहुत आसान है। मसलन तुलसी, पुदीना, हरी धनिया, हरी मिर्च, करीपत्ता। ये पौधे सिर्फ बालकनी की हरियाली में इजाफा नहीं करते बल्कि ये आपकी रसोई में नए-नए स्वादों का इजाफा भी करते हैं। जहां तक फूलों की बात है तो इस मौसम में गेंदा, जिनिया, बालसम और सदाबहार के पौधे अच्छी वृद्धि करते हैं। इनके रंग-बिरंगे फूल बालकनी को हरियाली के साथ रंगीन भी बना देते हैं।

वर्टिकल गार्डेनिंग है ऑप्शन: छोटी बालकनियों में ज्यादा पौधे लगाने के लिए वर्टिकल गार्डेन एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें पौधों को दीवारों, स्टैंड या लटकते गमलों में लगाया जाता है। इस तकनीक में पौधे जगह बहुत कम घेरते हैं। पुराने प्लास्टिक कंटेनर, बोतलें और लकड़ी के बक्सों का रचनात्मक प्रयोग भी वर्टिकल गार्डेन स्टैंड के रूप में किया जा सकता है।

इस बात का रखें विशेष ध्यान: बारिश के पानी में प्राकृतिक उर्वरता होती है। इसलिए इसमें पौधे न सिर्फ खूब हरे भरे रहते हैं बल्कि तेजी से बढ़ते भी हैं। हालांकि लगातार बारिश होने पर पौधों के गमलों में अगर ज्यादा पानी इकट्ठा हो जाए तो उसे तुरंत निकाल देना चाहिए, नहीं तो पौधों को नुकसान होता है।

मिलते हैं ये फायदे: यह छोटा-सा गार्डन हमारे मन को प्रसन्न रखता है, हमारी सोच को सकारात्मक बनाता है और हमें तरोताजगी से भरता है, जिसमें हम थकते नहीं बल्कि उत्साह से भरे रहते हैं। इसकी वजह से घर और भी खूबसूरत दिखता है।

मेकअप

नीलोफर

तेजी से हो रहा पॉपुलर नो-मेकअप लुक

उमस भरी गर्मी का यह मौसम स्किन पर भी प्रभाव डालता है। बार-बार होने वाला पसीना और वातावरण में बढ़ी नमी के कारण चेहरे पर मेकअप टिक नहीं पाता है। इसीलिए इस सीजन के लिए नो-मेकअप लुक का ट्रेंड पॉपुलर हो रहा है।

क्या है नो-मेकअप लुक: नो-मेकअप लुक का मतलब मेकअप बिल्कुल न करना नहीं होता है। इसका मतलब है, त्वचा को इतना स्वस्थ और स्वाभाविक रूप से चमकदार बनाना कि बिना हैवी मेकअप के भी वह आकर्षक दिखाई दे। यह लुक वास्तव में चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को उभारता है और त्वचा को सांस लेने का मौका देता है। इसलिए उमस भरी गर्मी और बारिश के दिनों में सुंदर दिखने का सबसे सरल तरीका है, त्वचा की बुनियादी देखभाल पर ध्यान देना।

त्वचा साफ, हाइड्रेटेड हो और स्वस्थ हो तो उसे छुपाने के लिए अधिक मेकअप करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

इसलिए हो रहा पॉपुलर: नो-मेकअप लुक इसलिए भी पॉपुलर हो रहा है क्योंकि आज बहुत सारी महिलाएं केवल कॉस्मेटिक्स पर निर्भर रहने की बजाय अपने नेचुरल लुक को स्वीकार करने लगी हैं। जब किसी विशेष अवसर पर थोड़ा मेकअप करना भी हो तो केवल टिंटेड मॉयश्चराइजर, हल्का कॉम्पैक्ट पावडर, मस्कारा और लिप बाम लगाना ही पर्याप्त होता है।

करें प्रॉपर क्लीनिंग: नो-मेकअप लुक के लिए, मेकअप की शुरुआत से पहले चेहरे की सफाई करें। इन दिनों की उमस और आने वाले बारिश के मौसम में भी धूल के साथ नमी, त्वचा के रोमछिद्रों में जमा हो जाती है। इसे हटाने के लिए ऐसा फेशवॉश चुनें, जो त्वचा को साफ करे, लेकिन उसका नेचुरल मॉयश्चर न हटाए। इसके बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं। उमस में नमी की कमी होने पर त्वचा और अधिक तेल बनाने लगती है, इसलिए ऑयल फ्री मॉयश्चराइजर बेहतर विकल्प है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं: अभी तो तेज धूप हो ही रही है, बारिश के मौसम में भी बादलों के पीछे छिपा सूरज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का नियमित उपयोग करना चाहिए। यह त्वचा को टैनिंग, पिग्मेंटेशन और समय से पहले बूढ़ा दिखने से बचाती है। सनस्क्रीन नो मेक-अप ग्लो को बरकरार रखने में मददगार होती है।

ये उपाय भी हैं कारगर: इस उमस भरे मौसम में कुछ सरल उपाय से आपको नो-मेकअप लुक कैरी करने में मदद मिलती है। जैसे दही और बेसन का फेस पैक त्वचा की सफाई करता है। शहद त्वचा को नमी प्रदान करता है, जबकि गुलाब जल ताजगी का एहसास देता है। हालांकि किसी भी घरेलू उपाय का उपयोग करने से पहले त्वचा की संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। जो उपाय किसी पर अच्छा असर देता है, जरूरी नहीं कि दूसरे पर भी वही परिणाम दे।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रेनू अग्रवाल

गायनेकोलॉजिस्ट

बढ़ती उम्र में सभी महिलाओं, खासतौर पर सिंगल वूमेन को अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहना चाहिए। आपके भीतर पनप रही किसी बीमारी का शुरुआती स्टेज में ही पता चल जाए, इसके लिए रेग्युलर कुछ चेकअप और टेस्ट कराना जरूरी है। कौन से हैं ये टेस्ट, आपको जरूर जानना चाहिए।

सिंगल वुमेन न बरतें लापरवाही जरूर करवाएं ये मेडिकल टेस्ट

अधिकांश महिलाएं पूरे घर के लोगों की सेहत का ध्यान रखती हैं लेकिन जब अपनी सेहत की देखभाल की बारी आती है तो वे खुद को अकसर इग्नोर करती हैं। फैमिली के साथ रहने वाली महिलाओं का ध्यान रखने के लिए तो फिर भी अन्य सदस्य होते हैं लेकिन सिंगल वुमेन (जो शादी नहीं करतीं या तलाक ले चुकी हैं या विडो हैं) में उम्र बढ़ने पर अकेलेपन के कारण तनाव का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे उनमें कई हेल्थ इश्यूज होने की आशंका तक बढ़ जाती है। इसलिए सिंगल वुमेन को समय-समय पर जरूरी मेडिकल टेस्ट अवश्य करवाते रहना चाहिए ताकि बीमारी का पता चलने पर उसका समय रहते उपचार कराया जा सके।

पैप स्मीयर टेस्ट: यह टेस्ट सर्वाइकल कैंसर यानी गर्भाशय के कैंसर का पता लगाने के लिए सबसे प्राथमिक और प्रभावी तरीका होता है। इस टेस्ट को 21 वर्ष की आयु के बाद हर 3 साल में जरूर करवाना चाहिए।

बोन डेंसिटी टेस्ट: बोन डेंसिटी टेस्ट में एक विशेष प्रकार के एक्स-रे के द्वारा स्पाइन, कलाइयों, कूल्हों की हड्डियों की डेंसिटी मापकर इनकी शक्ति का पता लगाया जाता है ताकि हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से पहले ही उनका उपचार किया जा सके।

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग-मैमोग्राम : इस टेस्ट से ब्रेस्ट कैंसर होने का पता लगाया जाता है। इस टेस्ट को 40 वर्ष की आयु से हर 1 या 2 साल में डॉक्टर की सलाह पर करवाना चाहिए। इस टेस्ट में क्लीनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन (सीबीई) में स्तन कैंसर की जांच की जाती है।

ब्लड प्रेशर टेस्ट: हार्ट को हेल्दी रखने के लिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच बहुत जरूरी होती है। अगर ब्लड प्रेशर 140/90 से अधिक है तो दिल पर दबाव पड़ता है, जिससे ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक और किडनी फेल होने की आशंका बढ़ जाती है। यह टेस्ट साल में 1 बार जरूर कराएं।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट: महिलाओं में थायरॉइड असंतुलन की समस्या बहुत आम है, जिससे उनका वजन, मूड और पीरियड्स प्रभावित होते हैं। यह टेस्ट साल में एक बार करवाना चहिए।

ब्लड शुगर टेस्ट: 35 वर्ष की उम्र के बाद हर 3 साल में सिंगल वुमेन को फास्टिंग ब्लड शुगर और एचबीए1सी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। इस टेस्ट से रक्त में शुगर के स्तर का पता लगाया जाता है।

ओवेरियन सिस्ट टेस्ट: पेट के निचले हिस्से में दर्द, अनियमित मासिक धर्म, पीरियड्स के दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग हो तो ओवेरियन सिस्ट का टेस्ट कराना चाहिए। छोटे आकार के सिस्ट अपने आप ठीक हो जाते हैं। सिस्ट 1 इंच से बड़ा हो तो ओवेरियन कैंसर होने की आशंका होती है।

कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग टेस्ट: इस टेस्ट से दिल की बीमारियों की चपेट में आने की संभावना का पता चलता है। यह टेस्ट 3 वर्ष में 1 बार करा लेना चाहिए। रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सामान्य से अधिक आता है, तो हर 6 से 12 महीने में यह टेस्ट कराना चाहिए।

प्रस्तुति: ललिता गोयल

खबर संक्षेप

नारनौल। शिविर में आमजन की शिकायतें सुनती डीसी अनुपमा अंजली।

डीसी ने शिविर में सुनी नागरिकों की शिकायतें

नारनौल। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने कहा कि प्रदेश सरकार ने आम जनता को अपनी शिकायतें रखने और उनका समाधान करवाने के लिए एक बहुत ही उचित मंच प्रदान किया है। इस शिविर में आने वाली सभी शिकायतों को जिला प्रशासन के सभी अधिकारी पूरी गंभीरता के साथ सुनें। उपायुक्त सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित साप्ताहिक समाधान शिविर में अधिकारियों को निर्देश दे रही थी। शिविर में कुल 116 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली हर शिकायत का अंत तक अनुसरण किया जाता है। सभी शिकायतें समाधान पोर्टल पर अपलोड की जाती हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से प्रत्येक शिकायत की समीक्षा की जाती है।

अवैध देशी पिस्टल सहित आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। सीआईए महेंद्रगढ़ ने अटेली क्षेत्र में सतर्कता एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपित प्रीतम निवासी महेन्द्रगढ़ को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल बरामद हुई। इस संबंध में थाना अटेली में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

हरियाणा में महिलाओं के लिए नई ऋण योजना शुरू

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए व्यक्तिगत ऋण योजना शुरू की है, जिसके तहत बैंकों के माध्यम से 1.50 लाख रुपए तक का ऋण दिलाने के व्यवस्था की गई है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से व्यक्तिगत ऋण योजना हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से चलाई जा रही है। डीसी ने बताया कि योजना के तहत जिले के लिए 74 केसों का लक्ष्य रखा गया है।

इस बार 25 जून को मनाया जाएगा निर्जला एकादशी व्रत

एकादशियों का फल विशेष फलदाई होते हैं परंतु निर्जला एकादशी का बहुत ही अधिक महत्व बताया गया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। राहुल भारद्वाज।

हर साल ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला व्रत रखा जाता है। वैसे तो सभी एकादशियों का फल विशेष फलदाई होते हैं। परंतु निर्जला एकादशी का बहुत ही अधिक महत्व बताया गया है। माना जाता है कि इस एकादशी के व्रत को करने से सभी एकादशी का व्रत करने समान फल की की प्राप्ति होती है। यानि साल 24 में एकादशी होती है। इस साल 26 एकादशी है अधिकमास होने के कारण, बताते है इन सभी एकादशियों का फल निर्जला एकादशी के व्रत से ही मिल जाता है। इस एकादशी पर निर्जल व्रत करने का विधान है, यानि कुछ खाया-पिया नहीं जाता है। भूखे प्यासे रहकर बिना अन्न पानी के इस व्रत को किया जाता है। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को स्नान कर श्रीहरी विष्णु भगवान की पूजा करने के बाद ही अन्न-जल ग्रहण व्रत का पारण किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि 25 जून गुरुवार को निर्जला एकादशी का व्रत किया जाएगा। इस को एकादशी को भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है। मान्यताओं के अनुसार भीम को छोड़कर सभी पांडव सभी एकादशियों पर व्रत करते थे। भीमसेन के लिए भोजन के बिना रह पाना मुश्किल था। इस कारण वो एकादशी का व्रत नहीं कर पाते थे। एक दिन भीम ने महर्षि वेदव्यास से पूछा कि कोई ऐसा उपाय बताइए, जिससे मुझे भी एकादशी व्रत का पुण्य मिल सके, मेरे लिए भूखे रहकर व्रत करना बहुत मुश्किल है। तब ऋषि व्यास ने भीम को सलाह दी। यदि वे सभी एकादशियों का पुण्य साथ प्राप्त करना चाहते हैं, तो उन्हें ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी को बिना बिना जल-अन्न के उपवास करना चाहिए। ऋषि व्यास कि सलाह अनुसार भीम ने भूखे-प्यासे रहकर इस व्रत को किया था। भीम के व्रत से भगवान विष्णु प्रसन्न हुए भगवान ने उन्हें आशीर्वाद दिया था, इस वजह से इस एकादशी का नाम भीमसेनी पड़ा। जो भी भक्त श्रद्धा और विधि-विधान से इस व्रत को करेगा वो सभी एकादशियों का पुण्य प्राप्त कर अंत में बैकुंठ लोक में जाएगा।

व्रत से होती है मोक्ष की प्राप्ति

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि निर्जला एकादशी भगवान विष्णु को बहुत प्रिय है। इसलिए इस दिन निर्जल वत, दान-पुण्य करने से प्राणी श्री हरि का सानिध्य प्राप्त कर जीवन-मरण के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष की प्राप्ति करता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस बत को निर्जल करने मात्र से ही समस्त पापों का नाश हो जाता है। इस व्रत के प्रभाव से व्रती को चारों पुरुषार्थ यानी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

दान का विशेष महत्व

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि इस दिन दान का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन दान करना पुण्यदायक होता है और ऐसा करने पर अक्षय फल की प्राप्ति होती है। जल से भरे मटके, बार, पैसा, मीठा पानी, फल आदि का दान करना श्रेष्ठ होता है। इस दिन विष्णु भगवान के मंत्र ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप व विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र के पाठ करने से ऐश्वर्य, परलोक, सांसारिक सुख व विष्णु लोक की प्राप्ति होती है।

अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए समन्वय बैठक

नारनौल। हरियाणा व राजस्थान राज्यों की पुलिस ने सीमावर्ती क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने और वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए अंतरराज्यीय संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने हेतु महत्वपूर्ण समन्वय बैठक का आयोजन किया। यह बैठक राजस्थान के मांढण पुलिस थाने में आयोजित की गई, जिसमें थाना अटेली के पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। थानों की पुलिस ने आपराधिक घटनाओं पर लगाम कसने के लिए गहन विचार-विमर्श किया। आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए संयुक्त अभियान चलाने पर सहमति बनी।

भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन ने उठाई आवाज

श्रमिकों का पंजीकरण पोर्टल तुरंत खोले सरकार, सौंपा ज्ञापन

श्रमिकों की कॉपियों को दोबारा शुरू करने की मांग भी उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन, जिला महेंद्रगढ़ की ओर से रविवार को उपमंडल अधिकारी (नारनौल) अनिरुद्ध यादव के माध्यम से प्रदेश के श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

ज्ञापन में कहा गया कि श्रमिकों के पंजीकरण के लिए श्रम विभाग का पोर्टल पिछले करीब 10 महीनों से बंद पड़ा है, जिससे नए श्रमिकों का पंजीकरण नहीं हो पा रहा है। यूनियन ने मांग की कि पोर्टल को तुरंत चालू कर नए रजिस्ट्रेशन शुरू किए जाएं। इसके अलावा 90 दिन की वर्क स्लिप जारी करने की शक्ति यूनियन के प्रधान को देने तथा सत्यापन के नाम पर बंद की गई श्रमिकों की कॉपियों को दोबारा शुरू करने की मांग भी उठाई गई।

यूनियन ने श्रमिक विरोधी बताए जा रहे चारों लेबर कोड रद्द करने, 60 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों को श्रम विभाग की ओर से पेंशन देने तथा मनरेगा के तहत साल में 200 दिन रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी बढ़ाकर 900 रुपये प्रतिदिन करने की भी मांग रखी गई। ज्ञापन में श्रमिकों को मकान निर्माण के लिए पांच लाख रुपये की अनुदान राशि देने, स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया रोकने, घरेलू रसोई गैस के दाम आधे करने, महंगाई पर नियंत्रण लगाने तथा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की भी मांग की गई।

इस अवसर पर यूनियन के जिला प्रधान सीताराम ने कहा कि श्रमिकों के जीवन में कठिनाइयां लगातार बढ़ रही हैं। सरकार की ओर से श्रमिकों के लिए की जाने वाली अनेक घोषणाएं धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने कहा कि मजदूर वर्ग भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कर अदा करता है, इसलिए सरकार को उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

इस मौके पर यूनियन के जिला प्रधान सीताराम के अलावा महावीर, मोहर सिंह, यादराम, कामरेड बलबीर सिंह, राजकुमार, बंशीधर, घनश्याम सहित अन्य श्रमिक मौजूद रहे।

मंडी अटेली। कार्यकारी अभियंता से लंबित समस्याओं को लेकर बातचीत करते हुए।

पीडब्ल्यूडी यूनियन ने सौंपा मांग पत्र

मंडी अटेली। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन जो सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित है, द्वारा कर्मचारियों की विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडल नंबर-3 अटेली में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने कार्यकारी अभियंता को कर्मचारियों से जुड़ी लंबित समस्याओं का मांग पत्र सौंपा और उनके शीघ्र समाधान की मांग उठाई। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को लंबे समय से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिनमें मुख्य रूप से तकनीकी स्टाफ की कमी,कार्यभार का असंतुलन, पदोन्नति में देरी तथा अन्य प्रशासनिक मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के कारण कर्मचारियों की कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है। कार्यकारी अभियंता ने यूनियन के प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक रुख अपनाया और आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की सभी जायज मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वालों को मिलेगा सम्मान

निजामपुर। पर्यावरण प्रहरी समारोह की रूपरेखा बनाने संस्था के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निजामपुर

सांस्कृतिक अहीरवाल की निजामपुर इकाई की ओर से आगामी 28 जून को सेलिब्रेशन गार्डन निजामपुर में पर्यावरण प्रहरी सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसकी तैयारियों को लेकर को गार्डन में बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता इकाई प्रमुख हंसराज गुर्जर ने की। बैठक में जिला संयोजक सतीश कुमार यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में कार्यक्रम के स्वरूप, व्यवस्थाओं और विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया।

सूबेदार जगराम ने बताया कि सांस्कृतिक अहीरवाल पिछले पांच वर्षों से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशेष रूप से कार्य कर रहा है और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय लोगों को सम्मानित करने की परंपरा निभा रहा है। बीते साल नारनौल, अटेली और सिहमा में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया था। इस बार कार्यक्रम की मेजबानी निजामपुर इकाई करेगी। जिला संयोजक सतीश कुमार यादव ने बताया कि ऐसे लोगों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने कम से कम 10 पौधों का रोपण कर उनका नियमित पालन-पोषण किया है। इसके लिए ग्रामवार सूची तैयार की गई है और चयनित पर्यावरण प्रहरियों को प्रशस्ति पत्र व पटका देकर सम्मानित किया जाएगा। वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है और ऐसे लोगों का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि समाज में विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वालों को सम्मान मिलता है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोग अक्सर उपेक्षित रह जाते हैं। सांस्कृतिक अहीरवाल ऐसे पर्यावरण प्रहरियों को मंच प्रदान कर उन्हें सम्मानित करने का कार्य कर रहा है। बैठक में सतपाल पवेरा, चिरंजीलाल, भगतराम शर्मा, मनोज कुमार, बृजमोहन शर्मा, महेश जाखड़, नरेश शर्मा, उदमीराम खटाना, नौरंग प्रधान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खातीवास में बेहतर कल के लिए पोषण कार्यक्रम की शुरुआत

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

एसएम सहगल फाउंडेशन एवं एचडीएफसी बैंक द्वारा संचालित परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत गांव खातीवास में बेहतर कल के लिए पोषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय, विशेष रूप से महिलाओं एवं बच्चों में पोषण, स्वास्थ्य एवं संतुलित आहार के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में एचडीएफसी बैंक मैनेजर देवेंद्र शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर अनीता तथा स्वास्थ्य विभाग की एएनएम पिंकी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। इसके अलावा ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, सरपंच, पंचगण एवं सहगल फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में बताया कि स्वस्थ एवं पोषित समाज के निर्माण के लिए संतुलित आहार, स्वच्छता और नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को गर्भावस्था एवं शिशु देखभाल, बच्चों के पोषण, एनीमिया की रोकथाम तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। एचडीएफसी बैंक के मैनेजर देवेंद्र शर्मा ने कहा कि परिवर्तन परियोजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पोषण एवं आजीविका से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्रामीणों ने पोषण संबंधी जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा गांव में स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

बेटियां परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर, दें बराबरी का सम्मान : अरुण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम की शपथ लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिगड़ा के तत्वावधान में गांव मेघनवास में कन्या भ्रूण हत्या रोकने, लिंगानुपात में सुधार लाने तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को बेटियों के महत्व, उनकी शिक्षा तथा समाज में समान अवसर प्रदान करने के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर अरुण चौधरी, स्वास्थ्यकर्मी ऋषिराज आर्य तथा आशा कार्यकर्ता शर्मिला, आंगनबाड़ी वर्कर अनीता व मंजू उपस्थित रहीं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बाल विवाह के दुष्प्रभावों तथा बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अरुण चौधरी ने कहा कि बेटियां परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने तथा बेटियों को शिक्षा एवं सम्मान देने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, लिंगानुपात में सुधार लाना तथा बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर स्वास्थ्यकर्मी ऋषिराज आर्य ने ग्रामीणों को प्रसव पूर्व लिंग जांच की रोकथाम, महिलाओं के स्वास्थ्य तथा बालिका शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण से ही संभव है। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों को समाप्त करने और बेटियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

महेंद्रगढ़। बेटी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सिसोठ में बेटी नैना का निकाला बनवारा

महेंद्रगढ़। बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर व्यापार, नौकरी और हवाई जहाज उड़ाने तक हर क्षेत्र में बेटियां परचम लहरा रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक मिसाल गांव सिसोठ में देखने को मिली। यहां स्वर्गीय बोबद राम की पत्नी बुगली देवी ने अपनी पोती नैना पुत्री परमिंद्रकी शादी में सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए बनवारा निकाला और समाज को सकारात्मक संदेश दिया। नैना के पिता परमिंद्र और माता प्रमिला ने कहा कि बेटा-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बेटियां माता-पिता और परिवार की शान होती हैं। इस दौरान मिशन जनसेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश चौहान, मा. नित्यानंद, सूबेदार सतबीर सिंह और गोपीचंद ने नैना को हरियाली और खुशहाली का प्रतीक पौधा भेंटकर आशीर्वाद दिया और शादी की बधाई दी। गांव सिसोठ निवासी नैना की शादी राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गांव बिगोदना निवासी महेंद्र सिंह के पुत्र अजय कुमार के साथ सोमवार को संपन्न होगी। नैना वर्तमान में बीए की पढ़ाई कर रही हैं, जबकि अजय बीए की डिग्री प्राप्त कर चुके हैं। कार्यक्रम में नैना के ताऊ अमीलाल, राजबीर, रतन लाल, कृष्ण, रामचंद्र, महेंद्र, रामअवतार, चाचा बिजेंद्र, भाई रामनिवास, मदन लाल, वेदप्रकाश सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने भी नैना को आशीर्वाद देकर नव दांपत्य जीवन की बधाई दी।

PUBLIC NOTICE

I Gyan Chand S/o Om Prakash R/o Village Dhani Kirarod Afgan Tehsil Narnaul Distt. Mahendergarh Haryana declare that my son name has been mentioned as Youdher Saini in his Adhar Card No. 316265423662 by mistake. the correct name of my son is Rudra. necessary correction as per rules.

पहल कल विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान किया जाएगा शुरू

सीएम के स्वच्छ हरियाणा, स्वस्थ हरियाणा संकल्प को साकार करेगा वार्ड संघ

- घर-घर से कचरा संग्रहण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक के दौरान संघ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा सरकार के स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छ हरियाणा, स्वस्थ हरियाणा अभियान के अंतर्गत शनि धाम बाबा खेतानाथ आश्रम वार्ड नंबर तीन में बैठक आयोजित की गई। जिसमें समदर्शी प्राणी कल्याण चेतना संघ के अध्यक्ष एवं पूर्व सैनिक अधिकार रक्षक महासंघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत मुनि के सुझाव पर वार्ड-तीन को स्वच्छ, सुंदर व पॉलीथीन-मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी जोगेन्द्र सिंह कालीरामणा ने की। इस मौके पर सेना से सेवानिवृत्त कर्नल ईश्वर यादव, ईसीएचएस के ऑफिसर इंचार्ज, वरिष्ठ समाजसेवी यादराम प्रधान, पूर्व सैनिक, मातृशक्ति, युवा शक्ति एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यकारी अधिकारी जोगेन्द्र सिंह कालीरामणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के स्वच्छ हरियाणा, स्वस्थ हरियाणा के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से धरातल पर उतारना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में निर्णय लिया गया कि घर-घर से कचरा संग्रहण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा तथा प्रत्येक परिवार को गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण के प्रति जागरूक किया जाएगा। वार्ड-तीन को पूर्णतः पॉलीथीन-मुक्त व कचरा-मुक्त बनाकर नगर का एक आदर्श एवं प्रेरणादायी वार्ड विकसित किया जाएगा, जिससे मुख्यमंत्री के स्वच्छ हरियाणा, स्वस्थ हरियाणा अभियान को और अधिक मजबूती मिलेगी। कार्यकारी अधिकारी ने वार्ड-तीन को विशेष स्वच्छता अभियान के लिए गोद लेने की घोषणा करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नगर परिषद की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। जनसहभागिता से ही स्वच्छ, सुंदर व विकसित नारनौल का निर्माण संभव है।

सुबह 10 बजे वार्ड नंबर तीन में चलेगा अभियान

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 24 जून प्रातः 10 बजे वार्ड नंबर तीन में विशेष स्वच्छता व श्रमदान अभियान आयोजित किया जाएगा। इस अभियान में एसडीएम अनिरूद्ध यादव, कार्यकारी अधिकारी जोगेन्द्र सिंह कालीरामणा, गणमान्य नागरिक, पूर्व सैनिक, सामाजिक संगठन, महिला मंडल, युवा शक्ति व आमजन सक्रिय सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर हेमंत मुनि ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन है। यदि प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र की स्वच्छता का संकल्प ले, तो हमारा शहर देश के लिए एक आदर्श उदाहरण बन सकता है। बैठक में उपस्थित नागरिकों, महिला मंडल व युवा शक्ति ने नगर परिषद के इस अभियान में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा वार्ड-तीन को नगर का सर्वश्रेष्ठ, स्वच्छ व पॉलीथीन-मुक्त वार्ड बनाने का संकल्प दोहराया।

डीसी अनुपमा अंजली ने ली दयालु-2 योजना की समीक्षा बैठक

पशुओं के हमले या कुत्ते के काटने से प्रभावित परिवारों को सरकार देगी आर्थिक मदद

■ सरल हरियाणा ऑनलाइन पोर्टल पर करें आवेदन : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजली की अध्यक्षता में सोमवार को दयालु 2 योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान डीसी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री की ओर से शुरू की गई इस जनकल्याणकारी योजना के तहत आने वाले मामलों की पूरी संवेदनशीलता से जांच की जाए। उन्होंने बताया कि सरकार की मंशानुसार पात्र परिवारों को बिना किसी देरी के समय पर सहायता राशि प्रदान करना सुनिश्चित करें, ताकि पीड़ितों को प्रशासनिक बाधाओं का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने बताया कि किसी भी नागरिक की कुत्ते के काटने या आवारा पशुओं के हमले के कारण घायल होने अथवा मृत्यु हो जाने पर निर्धारित आर्थिक सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है। इसके लिए पीड़ित को 90 दिन के अंदर-अंदर आवेदन करना होता है।

योजना के तहत कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए

उपायुक्त ने पशु से होने वाली दुर्घटनाओं से जुड़े लंबित मामलों का प्राथमिकता से सत्यापन करने का आदेश दिया, ताकि प्रभावित आश्रितों को तुरंत राहत मिले। इसमें घायल होने पर कम से कम 10 हजार तथा मृत्यु होने पर पांच लाख रुपये तक की सहायता राशि दी जाती है। अब तक जिला स्तर पर इस योजना के तहत कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन सभी पर कमेटी ने आज विचार विमर्श किया।

ये रहे मौजूद

इस बैठक में पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार, एसडीएम अनिरुद्ध यादव, एसडीएम महेंद्रगढ़ योगेश सैनी, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह, आरटीए मनोज कुमार, एसडीएम कनीना डॉ. जितेंद्र सिंह, सीएमओ डॉ. अशोक कुमार तथा जिला सांख्यिकी अधिकारी अनिता के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

ये हैं दयालु-1 व दयालु-2 योजना में अंतर

मुख्यमंत्री की ओर से अंत्योदय परिवारों को सामाजिक सुरक्षा कवच देने के लिए दयालु एक योजना शुरू की गई थी, जिसके अंतर्गत परिवार पहचान पत्र में सत्यापित 1.80 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के सदस्य की सामान्य दुर्घटना में मृत्यु या दिव्यांगता होने पर वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके विपरीत, दयालु दो योजना का दायरा अधिक विस्तृत है। यह योजना विशेष रूप से आवारा पशुओं के हमले, सांड या अन्य जानवरों की टक्कर और कुत्ते के काटने जैसी आकस्मिक आपदाओं से उत्पन्न गंभीर चोट, दिव्यांगता या मृत्यु के मामलों में पीड़ितों और उनके आश्रितों को सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाने के लिए बनाई गई है। इन दोनों योजना के लिए **https://dapsy.finhry.gov.in/** पोर्टल पर आवेदन करना होता है। इसमें आवेदन करते समय दयालु-1 व दयालु-2 योजना की पूरी जानकारी लेकर ही आवेदन करें। कई बार आवेदक गलत योजना में आवेदन कर देते हैं।

वाहन चालकों को हो रही परेशानी, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

ब्रह्मचारी रोड से सतनाली चौक जाने वाली मुख्य सड़क खस्ताहाल

तीन साल पहले नपा ने करवाया था निर्माण, अब जगह जगह बन गए हैं गड्ढे नहीं हो रही मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के ब्रहमचारी रोड से सतनाली चौक तक जाने वाली मुख्य सड़क की हालत इन दिनों बेहद खराब हो चुकी है। करीब तीन वर्ष पहले नगर पालिका द्वारा इस सड़क का निर्माण करवाया गया था, लेकिन वर्तमान में सड़क कई स्थानों पर टूटकर गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों, व्यापारियों और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को सड़क की मरम्मत कराने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यह सड़क शहर के प्रमुख मार्गों में शामिल है और नारनौल की ओर जाने वाले अधिकांश छोटे-बड़े वाहन इसी रास्ते का उपयोग करते हैं। इसके अलावा शहर की सब्जी मंडी भी इसी मार्ग पर स्थित है, जिसके कारण दिनभर यहां ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, मालवाहक वाहन, ऑटो, दोपहिया वाहन और पैदल राहगीरों की आवाजाही बनी रहती है। लगातार बढ़ते यातायात और सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है।

महेंद्रगढ़। जर्जर अवस्था में सड़क। फोटो : हरिभूमि

सड़क की खराब हालत का कारोबार पर पड़ रहा प्रतिकूल असर

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि सड़क की खराब हालत का सीधा असर उनके कारोबार पर पड़ रहा है। गड्ढों के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी हो जाती है, जिससे अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। बारिश के दिनों में समस्या और गंभीर हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक फिसलकर घायल हो जाते हैं और कई बार छोटे वाहन भी गड्ढों में फंस जाते हैं। क्षेत्र के निवासियों के अनुसार सड़क निर्माण के समय लोगों को उम्मीद थी कि लंबे समय तक उन्हें बेहतर सुविधा मिलेगी, लेकिन निर्माण के महज तीन वर्षों के भीतर ही सड़क की परत उखड़ने लगी। धीरे-धीरे जगह-जगह गड्ढे बन गए और अब स्थिति यह है कि सड़क पर सफर करना जोखिम भरा हो गया है। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया, जिसके कारण सड़क समय से पहले खराब हो गई। वाहन चालकों का कहना है कि सड़क पर बने गहरे गड्ढों से वाहनों को भी नुकसान पहुंच रहा है। आए दिन दोपहिया और चारपहिया वाहनों के टायर, सस्पेंशन और अन्य पुर्जे प्रभावित हो रहे हैं।

फसल लेकर मंडी आने वाले किसान भी परेशान

सब्जी मंडी आने वाले किसानों ने भी सड़क की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि कृषि उपज लेकर मंडी पहुंचने में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। भारी वाहनों के गुजरने से सड़क और अधिक क्षतिग्रस्त हो रही है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन तथा नगर पालिका से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की है। उनका कहना है कि यह शहर का प्रमुख मार्ग होने के साथ-साथ व्यापारिक और आवागमन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सड़क की जर्जर हालत न केवल लोगों की परेशानी बढ़ा रही है बल्कि दुर्घटनाओं को भी आमंत्रण दे रही है। नागरिकों का कहना है कि संबंधित विभाग को सड़क का निरीक्षण कर तत्काल गड्ढों को भरवाना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाना चाहिए। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान करेगा, ताकि आमजन को राहत मिल सके और इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवागमन सुगम हो सके।

डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति के नए सदस्य बनाने का प्रस्ताव पारित

■ डॉ. आंबेडकर भवन छात्रावास के निर्माण का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक समिति की मासिक बैठक प्रधान अमन देवी जोरासिया की अध्यक्षता में हुई, जिसमें उपस्थिति कार्यकारणी सदस्यों ने अग्रलिखित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती पर हुई आय व व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत कर दिया है, आडिट करवाने, जिला रजिस्ट्रार कार्यालय कि फीस भरने व अन्य कार्यों को रूपान्तरित करने के लिए पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टिकरण की। डॉ. वी राजा शेखर बुन्डुरू अतिरिक्त मुख्य सचिव का डॉ. अम्बेडकर भवन महेंद्रगढ़ में जुलाई माह में सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा,ये प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल पर हुई आय व खर्च का ब्यौरा आडिट कराने, वर्तमान कार्यकारिणी के काल का आडिट करवाने के लिए सीए तय करने, समिति के सभी पैडिग कार्य जल्द से जल्द पूरा कराने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। डॉ. आंबेडकर भवन छात्रावास का निर्माण नक्शा बनवाकर शुरू करवाने, आंबेडकर स्मारक समिति महेंद्रगढ़ के नए सदस्य बनाने के लिए प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। आजीवन सदस्य के लिए चेक व डीडी द्वारा 1100 रुपये और 11000 रुपये देकर कोई भी फाउंडर मेंबर बन सकेगा। इन्हें दो फोटो भी देना होगा।

महेंद्रगढ़। भवन में बैठक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर समिति प्रधान अमन देवी, उपप्रधान राजवीर सिंह, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह जालवान, सचिव रोशन लाल, थानेदार शेर सिंह चौहान, एसएलजी अमन फाउंडेशन भारत के चेयरमैन सुन्दर लाल जोरासिया, प्रिंसिपल कृष्ण कुमार मालडा, अनूप मालडा, चेयरमैन सुरत सिंह, हरिसिंह कलोरिया, रामभरोस, पूर्व सरपंच धन्नाराम, मा. ताराचंद, भूपसिह ढ़ाणी फोगाट मौजूद रहें।

हल्की बारिश से बदला मौसम का मिजाज

नारनौल। जिले में सोमवार सुबह मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। जिसके चलते अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने प्रदेश में 24 जून तक अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक, बिजली गिरने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। बता दें कि मौसम विभाग ने महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी व चरखी दादरी में गरज-चमक, बिजली कड़कने व तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया था। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है। इसके बाद अगले तीन दिनों में तापमान फिर दो से तीन डिग्री तक बढ़ सकता है। फिलहाल प्रदेश के औसत अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन बारिश व तेज हवाओं के असर से गर्मी से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। जिले में नारनौल का अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री व रात्रि तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रहा, महेंद्रगढ़ में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

■ नारनौल में अधिकतम तापमान 35.5 व महेंद्रगढ़ में 35.7 डिग्री सेल्सियस रहा

सड़क पर जमा गंदा पानी, आमजन परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अटेली खंड के गांव तिगरा में बस अड्डे से गांव की तरफ मेन सड़क पर काफी दिनों से गंदा पानी भरा होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस संबंध में बहुजन समाज पार्टी के नेता समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अटेली को ज्ञापन भेज कर सड़क से गंदे पानी की निकासी तत्काल करवाने की मांग की है। अतरलाल ने जलभराव सड़क का निरीक्षण करने के बाद कहा कि पूरी सड़क पर गंदा पानी भरा होने के कारण लोगों को आवागमन करने में भारी दिक्कत होती है। बीमार, लाचार, वृद्ध, महिला, बच्चों को बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि गंदे पानी की निकासी न होने से लोगों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सड़क से गंदे पानी की निकासी के लिए तत्काल प्रबंध नहीं किए गए, तो वे खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अटेली के कार्यालय का घेराव करेंगे। अतरलाल ने कहा कि ग्रामीणों, विशेष तौर पर बुजुर्ग तथा बीमार व्यक्तियों को अपने घरों तक पहुंचने में बहुत दिक्कत होती है। इसलिए सरकार व प्रशासन को तत्काल गंदे पानी की निकासी करवानी चाहिए। इस मौके पर ब्लॉक प्रधान शेरसिंह यादव, राकेश यादव, दानसिंह प्रजापत, भागसिंह चेयरमैन, कैलाश सेठ आदि मौजूद थे।

नारनौल। सड़क पर जमे गंदे पानी का निरीक्षण करते नेताजी अतरलाल व ग्रामीण।

सुंदरकांड पाठ का आयोजन आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात सावरमल गुप्ता के निवास स्थान पुरानी मंडी में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। मंडल सदस्य तरुण सोनी ने बताया सुंदरकांड पाठ की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे। सुंदरकांड पाठ के बाद भजनों का दौर शुरू होगा, जिसमें शहर के गायक कलाकार भजनों से बालाजी महाराज का गुणगान करेंगे।

सीवरेज व्यवस्था चौपट, बरसात में बढ़ेगी दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

प्री मानसून की बारिश ने सीवरेज व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। सीवरेज लाइन जगह-जगह से बंद होने के कारण ओवरफ्लो हो रही हैं, जिनका पानी बीच सड़क पर पहुंच रहा है। जिससे शहर की सूरत बिगड़ रही है। जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारी व अधिकारी सीवरेज लाइन दुरूस्त कर एसटीपी, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर मोटर संचालित करने तथा आपातकाल व्यवस्था को दुरूस्त करने की बजाय हाथ पर हाथ रखकर बैठे है। जिसे देखकर लगता है कि मानसून के समय कनीना में जलभराव से हालात बिगड़ सकते हैं।

हालांकि नगर पालिका प्रशासन की ओर से मानसून से पूर्व नालों व जाहड़ों की सफाई करा दी गई है, लेकिन सीवरेज लाइन सुधार न होने तथा एसटीपी की मोटर नियमित रूप से संचालित नहीं होने पर हालात बिगड़ने की पूरी संभावना है। इस बारे में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ राजीव कुमार के मोबाइल पर घंटी घनघनाती रही, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया।

कनीना। नालों की सफाई करते नपा कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

गंदे पानी की निकासी बड़ी समस्या

इस बारे में नगर पालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा ने कहा कि कनीना में गंदे पानी की निकासी का सबसे बड़ा मुद्दा है। जिसके स्थाई समाधान को लेकर नपा लगातार प्रयासरत है। नपा की ओर से डेन-माइनर सहित जोहड़ों की सफाई कर ऑटोमेटिक मोटर लगाई गई, जो जोहड़ के पानी को लिफ्ट करेगी। ऐसा करने से बरसात के समय जलभराव की समस्या नहीं रहेगी। दूसरी ओर जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से सीवरेज लाइन तथा एसटीपी की व्यवस्था को ठीक नहीं किया गया है। जिससे अभी से सड़कों पर गंदा पानी जमा होने लगा है।

नांगल चौधरी में किया पौधरोपण

नांगल चौधरी। पर्यावरण संरक्षण व हरित भविष्य के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए एक पेड़ मां के लिए अभियान के तहत नांगल चौधरी स्थित राव तुलाराम चौक पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राव जैमल सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के प्रधान प्रो. डॉ नरेश यादव के नेतृत्व में फल व छांयादार पौधों का रोपण कर क्षेत्र को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। डॉ. नरेश यादव ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और लगातार घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आए। एक पेड़ मां के लिए अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण तैयार करने का एक जन आंदोलन है। इस मौके पर यादव सभा प्रधान मनोज नया गांव, सूबेदार जयसिंह, पृथ्वीपाल खटोली उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

गड़बड़ी | हरियाणा शिक्षा बोर्ड की कार्यशैली पर उठे सवाल

पायल को अंग्रेजी में मिले थे 38 अंक पुनर्मूल्यांकन में बढ़कर हो गए 100

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

शहबाजपुर में संचालित जय अंबे मां उच्च विद्यालय की छात्राओं के पुनर्मूल्यांकन परिणाम ने हरियाणा शिक्षा बोर्ड की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मई में घोषित परिणाम में छात्रा पायल कुमारी को अंग्रेजी विषय में 38 अंक मिले थे, अब 62 अंकों की बढ़ोतरी होने से 100 अंक हो गए हैं। दूसरी छात्रा किस्मत को तीन अंक बढ़वाने में सफलता मिली है।

स्कूल के चेयरमैन पारस बंसल ने बताया कि परीक्षा देकर स्कूल लौटे सभी विद्यार्थी आत्मविश्वास से भरे थे। उन्होंने बेहतर परिणाम मिलने का दावा किया था। उम्मीद के अनुसार संस्था का परिणाम शानदार रहा था, लेकिन छात्रा पायल कुमारी व किस्मत कुमारी ने संतोष व्यक्त नहीं किया। पायल कुमारी ने बताया कि अंग्रेजी विषय का अच्छा पेपर हुआ था, बावजूद 38 अंक मिलने चिंता जताई। दूसरी छात्रा किस्मत कुमारी ने 491 अंक हासिल करके ब्लॉक टॉप-पांच में स्थान बनाया है। दोनों छात्राओं ने पुनर्मूल्यांकन का आवेदन किया था। शिक्षा बोर्ड ने परिणाम घोषित कर दिया, जिसमें छात्रा पायल कुमारी के अंग्रेजी विषय में 38 से बढ़कर 100 अंक हो गए हैं।

वहीं किस्मत के फिजिकल शिक्षा विषय में तीन अंकों का सुधार हुआ है, 491 से 494 अंक होने से ब्लॉक टॉप-तीन में स्थान हो गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा बोर्ड की लापरवाही ने विद्यार्थियों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा है। छात्रा पायल कुमारी व किस्मत कुमारी ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ तैयारी होने से बेहतर परिणाम की उम्मीद थी, लेकिन बोर्ड की गलती से उन्हें व परिजनों को परेशानी झेलनी पड़ी है।

नांगल चौधरी। कुमारी पायल।

नांगल चौधरी। किस्मत कुमारी।

क्या कहते हैं खंड शिक्षा अधिकारी

इस संदर्भ में खंड शिक्षा अधिकारी विकास जयदीप ने बताया कि पुनर्मूल्यांकन परीक्षा का परिणाम सीधा स्कूल या विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाता है। खंड कार्यालय में ब्लॉक टॉपर विद्यार्थियों की सूची तैयार की गई थी, अब पुनर्मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित बच्चों में सूची में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चेकिंग के दौरान मानवीय भूल के कारण अव्यवस्था हो जाती है।

स्वस्थ शरीर के लिए करें नियमित योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव मालड़ा सराय स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में चल रहा योग शिविर सोमवार को लगभग एक महीने के बाद इसका समापन हो गया। कार्यक्रम में सम्मान एवं पारितोषिक वितरण समारोह किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गजराज महाराज, विशिष्ट अतिथि प्राचार्य ओमकार यादव, प्रवक्ता जयप्रकाश यादव, मास्टर महावीर यादव बवाना, कर्मचारी नेता सुजान मालड़ा, गांव के पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह, मौलिक मुख्य अध्यापक मनोज शास्त्री रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन कर्मचारी नेता सुजान मालड़ा ने किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह से भूख में भोजन की आवश्यकता होती है। उसी प्रकार स्वस्थ शरीर रखने के लिए नियमित रूप से योगाभ्यास करना बहुत जरूरी होता है। इससे मन और तन दोनों स्वस्थ रहते हैं। जिससे मनुष्य का निरोगी जीवन होता है। अतिथियों ने आयोजन समिति योगाचार्य शीशराम यादव धनपत सिंह, हवा सिंह, प्रताप सिंह तथा सभी लोगों का जिन्होंने इस कार्यक्रम में सहयोग किया उनका धन्यवाद किया तथा उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर योगाचार्य शीशराम यादव व उनकी टीम ने भी सभी अतिथियों का कार्यक्रम में पहुंचने पर धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।